

भारत बना अमेरिका से ज्यादा ताकतवर, यहां के राष्ट्रपति ने टॉप 3 देशों में रखा



नई दिल्ली, (एजेंसी) SCO यानी शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर बेलारूस ने भारत की तारीफों के पुल बांध दिए। राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको ने अपने भाषण में भारत को दुनिया के ताकतवर देशों की लिस्ट में शामिल किया है। खास बात है कि इसमें अमेरिका का नाम शामिल नहीं है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हो रहे सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए हैं।

लुकाशेंको ने कहा, 'इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि हम कितने ही बराबर हैं। हम मानते हैं कि तीन ताकतवर देश हैं। चीन, रूस और भारत आर्थिक रूप से ताकतवर परमाणु देश हैं। एससीओ में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान शामिल हैं।

SCO घोषणापत्र में आतंकवाद का जिक्र- SCO सदस्य देशों ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 'दोहरा मापदंड' अपनाए जाने को 'अस्वीकार्य' बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस खतरे से निपटने का आह्वान किया। संयुक्त बयान में सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर गहरी चिंता जताई और ईरान पर अमेरिका के हमलों की निंदा की। इस बयान को 'बिश्केक घोषणा-पत्र' कहा गया है।

इस संयुक्त बयान पर प्रधानमंत्री मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और एससीओ के अन्य नेताओं ने हस्ताक्षर किए। घोषणापत्र में कहा गया है, 'सदस्य देशों ने आतंकवादी, अलगाववादी और उग्रवादी उद्देश्यों के लिए इंटरनेट के इस्तेमाल को रोकने के महत्व को रेखांकित किया। सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय सूचना सुरक्षा, सूचना संरक्षण और नए प्रकार के अपराधों से निपटने के क्षेत्रों में आपसी समन्वय को मजबूत करेंगे।'

नेपाल में अचानक आई भयंकर बाढ़ का तांडव

मृतकों की संख्या बढ़कर 1,127 हुई, 4,800 से अधिक लोग अब भी लापता



काठमांडू, (एजेंसी) नेपाल पुलिस के अनुसार, बुधवार को नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है। नेपाल पुलिस के मुताबिक, कुल 45 शव रसुवा से, 155 नुवाकोट से, 59 धादिंग से, 348 चितवन से, 66 गोरखा से, 38 तनहुं से, 217 नवलपरासी पूर्व से और 190 नवलपरासी पश्चिम से बरामद किए गए हैं। नेपाल पुलिस ने यह भी बताया कि भारत में नौ शव बरामद किए गए हैं। 4,800 से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

बरामद किए गए शवों में से अब तक केवल 95 शवों की पहचान के बाद उन्हें उनके परिवारों को सौंपा गया है। एक दिन पहले, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने फेसबुक पोस्ट में कहा था कि बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों और जिनकी पहचान नहीं हो पाई है, उनके शवों का प्रबंधन कानून के अनुसार और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, सरकार केवल उन शवों का प्रबंधन कर रही है जो बिना पहचान वाली स्थिति में पाए गए हैं, साथ ही डीएनए नमूने और अन्य सबूत भी सुरक्षित रखे जा रहे हैं जो उनकी पहचान में मदद कर सकते हैं। शवों का प्रबंधन नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल की सहायता से किया जा रहा है। पहचान किए गए शव उनके परिवारों को सौंपे जा रहे हैं।

सांध्य दैनिक

आ.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट



सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 41

इंदौर, बुधवार 02 सितंबर, 2026

पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

विकास और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 41 हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति

● वीबी जी राम जी
योजना के लिए
29 हजार 619
करोड़ रुपये का
अनुसमर्थन

● दुग्ध उत्पादकों के
हित में सहकारी
प्रणाली और सांची
ब्राण्ड के उन्नयन
के लिए 2 हजार
973 करोड़ रुपये
की स्वीकृति



हर जिले में एक 'लोकपाल' की नियुक्ति

इन योजनाओं को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से 'विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक' में समर्पित किया जाएगा। योजना के तहत जल सुरक्षा, जलवायु-अनुकूल इंजीनियरिंग, डेटा साइंस और अत्याधुनिक आजीविका मॉडल जैसे तकनीकी कार्यों के प्रभावी संपादन के लिए मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद में एक समर्पित राज्य-स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाई स्थापित की जाएगी। कैबिनेट बैठक में अंतरिम व्यवस्था के तहत नई परिषद के पूर्ण गठन, पंजीकरण तक वर्तमान 'मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद' को ही इस नई योजना के समस्त दायित्वों के निर्वहन के लिए अधिकृत किया है।

से आगामी 5 वर्ष में सहकारी दुग्ध समितियों का विस्तार 7331 ग्रामों से बढ़ाकर 26,000 ग्रामों तक किया जाएगा। दुग्ध संकलन को 12 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम प्रतिदिन किया जाएगा। दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता को 17.8 लाख लीटर से बढ़ाकर 63.3 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। दुग्ध पैकेट विक्रय 7 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 35 लाख लीटर प्रतिदिन लीटर किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा 500 करोड़ रुपये अधोसंरचना के लिए अनुदान एवं इसके अतिरिक्त भारत सरकार की योजनाओं पर स्वीकृति अनुसमर्थन अनुमानित 241 करोड़ रुपये का राज्यांश तथा योजना विभिन्न घटकों के क्रियान्वयन की स्वीकृति दी गई है।

पेल्ड शोल्डर का होगा निर्माण

दुग्ध उत्पादकों के
हित में फैसला

कैबिनेट ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को उन्नयन करने के उद्देश्य से 2 हजार 973 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। डेयरी विकास योजना के माध्यम

नर्मदापुरम की ओर से इन्दौर आने-जाने वाले वाहनों को भोपाल से नहीं गुजरना पड़ेगा और 21 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी।

3 नए प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय स्थापित होंगे

कैबिनेट ने प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के संवर्धन, क्षेत्रीय संतुलन और अधोसंरचना की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए वर्तमान राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) भोपाल के स्थान पर अब राज्य में 3 पृथक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने की स्वीकृति दी है। ये विश्वविद्यालय भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में स्थापित होंगे।

इस व्यवस्था के तहत भोपाल स्थित वर्तमान विश्वविद्यालय को 'मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय', उज्जैन के स्वशासी इंजीनियरिंग कॉलेज को 'मालवा प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' तथा जबलपुर के स्वशासी इंजीनियरिंग कॉलेज को 'महाकौशल प्रौद्योगिकी एवं

कौशल विश्वविद्यालय' के रूप में स्थापित किया जाएगा। वर्तमान में आरजीपीवी अंतर्गत 13 पाठ्यक्रम, 585 संस्थाएं और 3 लाख 83 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। स्वीकृत व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश के सभी तकनीकी महाविद्यालयों को संभावित विभाजित कर नवीन गठित तीन विश्वविद्यालयों के क्षेत्राधिकार में सौंपा जाएगा। भोपाल स्थित 'मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' के अधीन भोपाल, नर्मदापुरम, चंबल और ग्वालियर संभाग आएंगे। उज्जैन स्थित 'मालवा प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' के अंतर्गत उज्जैन और इंदौर संभाग रहेंगे। इसी प्रकार जबलपुर स्थित 'महाकौशल प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' के क्षेत्राधिकार में जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभागों के तकनीकी संस्थान शामिल किए जाएंगे। तीनों विश्वविद्यालयों के संचालन के लिए पृथक अधिनियम लागू किए जाएंगे। उज्जैन एवं जबलपुर में नवीन स्थापित होने वाले दोनों विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक संचालन के लिए प्रारंभिक स्तर पर कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, उप कुलसचिव तथा वित्त अधिकारी के पदों को मंजूरी दी गई है।

जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई

कलेक्टर शिवम वर्मा ने दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश

जनसुनवाई में मिली सहायता के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर जताया आभार

① डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। इंदौर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को गंभीरता से समझा तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं प्रावधानों के अनुसार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण करते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। श्री वर्मा कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनसुनवाई में श्रीमती राधा सेन ने पहुंचकर कलेक्टर शिवम वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उनका भतीजा गौतम सेन सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उपचार का खर्च उठाना



मुश्किल हो रहा था। इस संबंध में उन्होंने गत जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा के समक्ष अपनी समस्या रखी थी। कलेक्टर श्री वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ प्रकरण का त्वरित निराकरण करते हुए गौतम के उपचार के लिए पूरी मदद उपलब्ध कराई। सहायता मिलने से गौतम का उपचार संभव हो सका। इसके लिए श्रीमती सेन ने आज जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने उन्हें आश्वासन दिया कि भविष्य में भी किसी प्रकार की परेशानी होने पर शासन-प्रशासन हरसंभव सहयोग के लिए उनके साथ रहेगा।

जनसुनवाई में श्रीमती रोशनी अहिरवाल ने अपने दो बच्चों की शिक्षा से जुड़ी समस्या कलेक्टर शिवम वर्मा के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि करीब एक

वर्ष पूर्व पति से तलाक के बाद वे अकेले ही दोनों बच्चों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने में उन्हें कठिनाई हो रही थी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा तत्काल संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वर्मा ने दोनों बच्चों की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही श्रीमती अहिरवाल को 12 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

एक अन्य प्रकरण में श्रीमती शालू राठौर ने जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा के समक्ष अपनी समस्या रखी। उन्होंने बताया कि पति के निधन के बाद



परिवार में आय का कोई अन्य साधन नहीं है, जिसके कारण उन्हें जीवन-यापन में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना और तत्काल राहत प्रदान करते हुए 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने श्रीमती राठौर को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी आवश्यकता होने पर शासन-प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कलेक्टर के निर्देशों से मिली त्वरित सहायता के लिए श्रीमती शालू राठौर ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी

समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लांट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रिकेश वैश्य सहित सभी विभागीय अधिकारियों ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

सेंट्रल जेल इंदौर में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ आयोजन

253 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार



① डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। सेंट्रल जेल इंदौर में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में बन्दीयों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं आयुष विभाग के अधिकारियों के निर्देशन में आयोजित की गईं, इस शिविर का उद्देश्य बन्दीयों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया गया, जेले अधीक्षक श्री दिनेश नरवे, उप अधीक्षक नागर सर के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता के साथ आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ जितेंद्र भालसे, आयुर्वेद चिकित्सा

अधिकारी डॉ. महेश पोरवाल, डॉ. ज्योति बडोले, डॉ. रंजीता चौहान, डॉ अंकिता जैन एवं पैरामेडिकल स्टाफ प्रचना निगम, बर्ग सक्सेना, उमेश चोहान, अंकिता भारत, माधुरी श्रीवंश, रितु रामपुरी, प्रदीप शर्मा, रेखा भदौरिया, बसंती डोडवे ने सेवाएं प्रदान की।

शिविर में 253 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया किया गया, मरीजों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जाँच कर उन्हें आवश्यक आयुर्वेदिक औषधि प्रदान की गई, विशेष रूप से पाचन संबंधी विकार, चर्मरोग कब्ज समस्याएं अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित मरीजों को चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया। चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आयुर्वेदिक जीवनशैली, उचित आहार-विहार, रोगों से बचाव तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई।

इंदौर में सात दिवसीय 'आपदा मित्र' प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र का शुभारंभ

① डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इंदौर के निर्देशानुसार इंदौर में सात दिवसीय 'आपदा मित्र' प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि डिवीजनल कमांडेंट श्रीमती प्रीति बाला सिंह एवं प्रशिक्षण अध्यक्ष डॉ. मधु राजेश तिवारी द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र, रालामंडल, इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में लगभग 150 आपदा मित्रों का पंजीयन किया गया है। इंदौर जिले में कुल 900 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन्हें चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित आपदा मित्र



स्थानीय स्तर पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

प्रशिक्षण के दौरान आपदा मित्रों को विभिन्न प्रकार की आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर के माध्यम से घायलों को तत्काल राहत प्रदान करने और जीवनरक्षक सहायता देने की

तकनीकों शामिल हैं। इसके साथ ही खोज एवं बचाव कार्य के अंतर्गत आपदा के दौरान फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के तरीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने, अग्निशमन की बुनियादी तकनीकों के माध्यम से आग की घटनाओं पर प्रारंभिक नियंत्रण पाने तथा घायलों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित

करने के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। आपदा की परिस्थितियों में केले के तने, प्लास्टिक की बोतलों एवं अन्य स्थानीय सामग्री का उपयोग कर अस्थायी नाव (राफ्ट) एवं स्ट्रेचर तैयार करने जैसी उपयोगी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रतिभागियों को दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में होमगार्ड मित्रों को आपदा के दौरान स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता, राहत एवं बचाव उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कौशल से दक्ष किया जा रहा है।

आवास सहायता योजना के सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही, सहायक ग्रेड-3 निलंबित

① डिटैलिव ग्रुप रिपोर्ट, (नम्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा गत दिसव समय-सीमा (टीएल) बैठक में कलेक्टर कार्यालय के जनजातीय कार्य विभाग तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग जिला इंदौर में पदस्था सहायक ग्रेड-3 संजय

अठवाल को निलंबित करने की कार्रवाई की गई। जारी आदेशानुसार अठवाल द्वारा आवास सहायता योजना से संबंधित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में गंभीर लापरवाही बरती गई तथा पदीय दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं किया गया। कलेक्टर

शिवम वर्मा द्वारा सहायक ग्रेड-3 संजय अठवाल की उक्त लापरवाही को गंभीरता को देखते हुए उनके विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान संजय अठवाल का मुख्यालय प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर इंदौर निर्धारित किया गया है।

इंदौर विकास प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में 177.33 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को दी गई प्रशासकीय स्वीकृति

© डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नज़)

इंदौर। संभागायुक्त एवं इंदौर विकास प्राधिकरण के सह-अध्यक्ष श्री भास्कर लाक्षाकार की अध्यक्षता में इंदौर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा महत्वपूर्ण विकास कार्यों के संबंध में अनेक निर्णय लिए गए। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री शिंतज सिंहल, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री योगेश कुमार, मुख्य अभियंता विद्युत विभाग श्री राजेशचन्द्र जैन, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश श्री शुभाशीष बेनर्जी, अभियंता यंत्री लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी श्री सुनील कुमार उदिया, मुख्य कार्यालयिक अधिकारी इंदौर विकास प्राधिकरण डॉ. परीक्षित झाड़े सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संचालक मंडल द्वारा पूर्वी रिंग रोड स्थित रेडीसन चौराहा पर प्रस्तावित फ्लाया ओवर निर्माण के लिए 76.59 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार रोबोट चौराहे पर प्रस्तावित फ्लाया ओवर निर्माण के लिए



94.18 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। दोनों चौराहे पर फ्लायाओवर के निर्माण के बाद यातायात सुगम होगा। इसी तरह आगरा-मुंबई बायपास से प्राधिकरण की योजना क्रमांक 05 को जोड़ने वाले मास्टर प्लान एमआर-09 मार्ग के निर्माण के लिए 6.56 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इस प्रकार गैर योजनामद के अंतर्गत कुल 177.33 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

एरोसिटी के विकास के लिए 52.61 करोड़ रुपये स्वीकृत- संचालक मंडल द्वारा योजना क्रमांक 151-169-बी

में आईटी कंपनियों टीसीएस/इन्फोसिस को दी गई भूमि के बदले शासन से प्राप्त भूमि, जो योजना क्रमांक 172 के समीप स्थित है, को एरोसिटी के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही इंदौर विकास योजना-2021 के अनुसार उक्त भूमि से एयरपोर्ट तक 75 मीटर चौड़े एवं लगभग 1.5 किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण के लिए 52.61 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। एरोसिटी के विकास से एयरपोर्ट के समीप होटल सहित अन्य व्यावसायिक एवं सेवा गतिविधियों के विस्तार को गति मिलने की संभावना है।

योजना क्रमांक 172 के विकास के लिए 240.93 करोड़ रुपये स्वीकृत- संचालक मंडल ने एयरपोर्ट रोड स्थित योजना क्रमांक 172 के विकास कार्यों के लिए 240.93 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की। योजना के विकास से शहर के समीपस्थ क्षेत्रों में अधोसंरचना एवं अन्य विकास गतिविधियों के विस्तार को गति मिलेगी।

मेघदूत उपवन से लगी भूमि के समग्र विकास को मंजूरी- योजना क्रमांक 54 के अंतर्गत मेघदूत उपवन से लगी प्राधिकरण स्वामित्व को लगभग 3.83 हेक्टेयर भूमि के समग्र विकास तथा कंसल्टेंट की नियुक्ति के लिए 15 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इससे इस क्षेत्र में उपलब्ध भूमि का सुनियोजित एवं बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा सकेगा। साथ ही मेघदूत उपवन में आने वाले दर्शकों की संख्या में वृद्धि होगी।

योजना क्रमांक 97 भाग-2 के विकास कार्य की निविदा स्वीकृत- बैठक में योजना क्रमांक 97 भाग-2 के विकास कार्य के लिए न्यूनतम निविदादाता द्वारा प्रस्तुत 33 करोड़ 95 लाख 98 हजार 498 रुपये की निविदा को स्वीकृति प्रदान

की गई। इससे योजना के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विभिन्न योजनाओं में भूखण्ड एवं आवासीय प्रकोष्ठों के व्ययन के लिए दरें निर्धारित- संचालक मंडल द्वारा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में संपत्तियों के व्ययन के लिए दर निर्धारण भी किया गया। योजना क्रमांक 103 के बहुमंजिला भवन 'पलाश' में निर्मित 31 आवासीय प्रकोष्ठों, योजना क्रमांक 114-प्रथम (राजीव आवास विहार) में आवासीय उपयोग के 09 प्रकोष्ठों तथा योजना क्रमांक 135 में 106 आवासीय उपयोग के भूखण्डों के व्ययन के लिए दरें निर्धारित की गईं। इसी प्रकार योजना क्रमांक 59 पार्ट-2 में व्यावसायिक उपयोग के 21 एवं आवासीय उपयोग के 01 भूखण्ड को भू-स्वामी अधिकार पर व्ययन करने, योजना क्रमांक 136 में आवासीय उपयोग के 151 भूखण्डों तथा योजना क्रमांक 71 सेक्टर-ए में व्यावसायिक उपयोग के 05, औद्योगिक उपयोग के 04 एवं शॉपिंग उपयोग के 03 भूखण्डों के व्ययन के लिए भी दरें निर्धारित की गईं। योजना क्रमांक 54 में चिकित्सालय उपयोग के भूखण्ड के व्ययन के लिए भी दर निर्धारण किया गया।

बारिश नहीं हुई तो अगले साल फिर रहेगा जलसंकट

© डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नज़)

इंदौर। इंदौर में कम बारिश के कारण अब शहर में अगले साल होने वाले जलसंकट का खतरा मंडराने लगा है। शहर के तालाब अगस्त माह बीतने के बावजूद आधे से ज्यादा खाली हैं। इसके अलावा कई इलाकों के बोरिंगों में भी भरपूर पानी नहीं आ रहा है और कई मल्टियों में अभी भी पानी की पूर्ति के लिए टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं।

यदि सितंबर माह में भरपूर बारिश नहीं होती है तो फिर अगले साल शहरवासियों को जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है। शहर के बड़े हिस्से की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर तालाब में 13 फीट पानी है, जबकि तालाब की क्षमता 19 फीट है। अभी भी तालाब में छह फीट पानी की आवश्यकता है। शहर के बिलावली, पिपलियापाला और पिपलियाहाना तालाब भी आधे खाली हैं। पिपलियाहाना तालाब को भरने के लिए नगर निगम सड़कों पर बहने वाले पानी को



पाइपों के जरिए चैनल से तालाब तक लाया, लेकिन कम वर्षा होने के कारण तालाब खाली है। पिछले साल अगस्त माह तक कई तालाब भर चुके थे और अतिरिक्त पानी तालाबों से चैनलों के जरिए बाहर निकाला गया था। तालाब खाली रहने का असर गर्मी के दिनों में नजर आएगा। दरअसल, तालाबों में पानी ज्यादा रहता है तो तालाब के आसपास की कॉलोनियों का भूजल स्तर अच्छा रहता है, लेकिन बारिश नहीं होने की स्थिति में तालाब अप्रैल में ही सूख जाये और फिर बोरिंग भी ज्यादा साथ नहीं देंगे। विजय नगर क्षेत्र में अभी भी बोरिंगों में ज्यादा पानी नहीं आया है। इस कारण पानी का प्रेशर काफी कम है। नगर निगम को अभी भी किराए के टैंकर शहर में चलाने पड़ रहे हैं।

खुले लोहे के स्ट्रक्चर वाली छत अब चर्चा का विषय बन गई

© डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नज़)

इंदौर। इंदौर का देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट बाहर से भव्य नजर आता है, लेकिन टर्मिनल के अंदर खुले लोहे के स्ट्रक्चर वाली छत अब चर्चा का विषय बन गई है। एक यात्री ने सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट के मौजूदा इंदोरियर की तस्वीर साझा कर सवाल उठाया कि जब एयरपोर्ट शहर की पहचान बन सकता है, तो उसका अंदरूनी हिस्सा भी आकर्षक और आधुनिक क्यों नहीं होना चाहिए। यात्री एस. लखोडिया ने एक्स पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और इंदौर एयरपोर्ट को टैग करते हुए टर्मिनल के अंदर की तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि यात्री एयरपोर्ट के अंदर लोहे का दांचा देखने की अपेक्षा नहीं करता। उन्होंने सुझाव के साथ AI की मदद से तैयार किए गए एयरपोर्ट के संभावित नए इंदोरियर के कई डिजाइन भी साझा किए। AI से तैयार किए गए डिजाइन में मौजूदा छत को आकर्षक सजावटी पैटर्न से कवर कर एयरपोर्ट को आधुनिक और खूबसूरत दिखाने का प्रयास किया गया है।

Confidential Investigation & all type of Detective services



प्रतिस्पर्धा का समय है।

स्वार्थियों, घर के भेदियों से भर गया है समाज।

सावधान रहना है सब से।

निगाह रखनी है लोगों पर, घटनाओं पर, वातावरण पर
कहीं ऐसा तो नहीं...

कोई साँप आस्तीन में छुपा हो?

फूलों की सेज पर कुछ काँटें हों?

व्यक्तिगत/व्यापारिक जीवन में कोई छिद्र हो?

इस प्रकार की सभी व्यक्तिगत, व्यापारिक, राजनैतिक, कानूनी,
सभी प्रकार के इन्वेस्टिगेशन कार्य... सबूत/प्रमाण हेतु
मदद के लिये तैयार... कभी भी.... कहीं भी...



पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

9826044334

9826044334

7312433667

“ संपूर्ण विश्व हमारी सीमा में है ”

सीएम मोहन यादव ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

'परिवार के शासनकाल की गलतियों के लिए जनता से माफी मांगिए'

① डिटिविट्व ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। सीएम मोहन यादव ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। छात्रों की गूज कार्यक्रम के लिए एमपी आ रहे राहुल गांधी का उन्होंने स्वागत किया है। साथ ही यह भी उनसे कहा कि वे उनकी पार्टी का सारा हिसाब-किताब जनता को बताएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक देश की जनता के साथ अन्याय किया। इसके लिए उसे देश से माफी मांगनी चाहिए।

राजधानी भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सीएम यादव ने कहा कि मुझे मालूम पड़ा है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मध्यप्रदेश आने वाले हैं। मध्यप्रदेश की धरती पर उनका स्वागत है। राहुल गांधी, आप जनता के बीच आइए। लेकिन, यहां आने के साथ अपने अतीत के



शासनकाल का हिसाब भी जनता के सामने रखिए। आपके परमाना, आपकी दादी और आपके पिता ने लंबे समय तक दिल्ली में बैठकर देश की सरकार चलाई। उनके शासनकाल में राज्य के भीतर जो परिस्थितियां उत्पन्न हुईं और जनता को

जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा, उन सबके लिए भी आपको जनता के सामने जवाब देना चाहिए। मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता जागरूक है। वह इतिहास को भी जानती है और वर्तमान को भी समझती है।

इसलिए आप मध्यप्रदेश आइए, जनता के बीच और अपने परिवार के लंबे शासनकाल की गलतियों के लिए जनता से माफी मांगिए। मध्यप्रदेश आपका इंतजार कर रहा है। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल के दौरान स्कूली छात्रों को लैपटॉप, साइकल समेत कोई सुविधा नहीं दी। कांग्रेस के शासनकाल में 26 जनवरी-15 अगस्त के लड़ाके लिए भी छात्र तरस जाते थे। कांग्रेस नेताओं को युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। मध्यप्रदेश 1956 में बना। 1956 से लेकर 2002-03 तक राज्य का बजट समग्र रूप से 20 हजार करोड़ का था। शिक्षा विभाग के हाल थे कि वह शिक्षकों के लिए 300 रुपये का पैटर्न लाया। प्रदेश में आजादी के बाद 55 साल में केवल केवल 5 मैडिकल कॉलेज थे। यह प्रदेश में शिक्षा की हालत थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अध्यक्ष श्री नितिन नबीन से की सौजन्य भेंट



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में मंगलवार को सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन से सौजन्य भेंट की। मुंबाकत के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव और श्री नितिन नबीन के बीच समसामयिक विषयों पर वार्ता हुई। मुख्यमंत्री ने श्री नबीन को मध्यप्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के विभिन्न विभागों द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए किए जा रहे नवावरो और प्रयासों से भी श्री नबीन को अवगत कराया।

पिपरिया में बस-कार की टक्कर, 30 घायल, 15 रेफर

① डिटिविट्व ग्रुप रिपोर्ट

पिपरिया, एजेंसी। पिपरिया के मोहागांव के पास मंगलवार रात बस और कार की टक्कर में 30 लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर फ्लट गई। हादसे में घायल 15 लोगों की हालत गंभीर बताई गई, जिन्हें इलाज के लिए रेफर किया गया है। वहीं, 9 घायलों को पिपरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीएमओ राजकुमार देजवार ने बताया कि हादसे में गंभीर घायलों के हाथ, पैर और सिर में चोटें आई हैं। गंभीर घायलों में पंचमडी निवासी पुरुषोत्तम (59), सुमित (38), सुलेखा (37), मनीष (19), करण (36), चेतना (6) और पुष्पा (36) शामिल हैं। इसके अलावा भोपाल

की सुलेखा (45), श्रीधाम की रज्जो (50), मटकुली के अनिल (42), पिपरिया की पार्वती (47), जबलपुर के छोटेलाल (50), केशला के ललित (35) और कार चालक शेतांक राय को भी रेफर किया गया है। बस में सवार यात्री मनीष ठाकुर ने आरोप लगाया कि बस काफी तेज रफ्तार में थी और चालक मोबाइल पर बात कर रहा था। उनके मुताबिक, टक्कर के बाद बस की रफ्तार और बढ़ गई और वह फ्लट गई। हादसे के बाद बस चालक मौके से उतरकर फरार हो गया। स्टेशन रोड थाना प्रभारी मदन पवार ने बताया कि पिपरिया बस (एमपी 05 पीओ 282) और कार के बीच टक्कर हुई थी। टक्कर के बाद बस फ्लट गई।

सांदीपनि आश्रम में जन्माष्टमी की विशेष तैयारियां उज्जैन में कृष्ण-बलराम और सुदामा पहनेंगे नीले मखमली वस्त्र

सूरत, जयपुर-कोलकाता से मंगवाए मोती और रेशमी धागे

① डिटिविट्व ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में 4 सितंबर को होने वाले श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। मंदिर का पुजारी परिवार भगवान कृष्ण, बलराम, सुदामा, गुरु सांदीपनि और गुरु माता के लिए नीले रंग के मखमली वस्त्र तैयार करवा रहा है। पालने में विराजने वाले लड्डू गोपाल के लिए सफेद और गुलाबी रंग के



खास परिधान बनाए जा रहे हैं। पुजारी परिवार की पंडित कीर्ति रूपम व्यास ने बताया कि जन्माष्टमी के लिए वस्त्र और श्रृंगार की तैयारियां करीब चार महीने पहले शुरू कर दी जाती

हैं। कपड़े, रंग, रेशमी धागे और मोतियों का चयन भी काफी पहले कर लिया जाता है। भगवान के परिधानों पर जरदोजी, रेशमी धागों और मोतियों से कारीगरी की जा रही है। इसके लिए विशेष कपड़े, मोती और धागे सूरत, जयपुर और कलकत्ता से मंगवाए गए हैं। वस्त्रों के साथ भगवान के मुकुट, हार और अन्य श्रृंगार का सामान भी तैयार किया जा रहा है।

भगवान कृष्ण, बलराम जी, सुदामा जी, गुरु सांदीपनि और गुरु

माता जी के लिए इस बार नीले रंग के वस्त्र बनाए जा रहे हैं। वहीं, पालने में विराजने वाले लड्डू गोपाल के लिए सफेद और गुलाबी रंग के खास परिधान तैयार किए गए हैं। इन कपड़ों को मोतियों और कारीगरी से सजाया जा रहा है।

पुजारी परिवार के अनुसार, 3 सितंबर तक भगवान के वस्त्र और श्रृंगार की सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। 4 सितंबर को जन्माष्टमी के दिन भगवान इन्हीं विशेष परिधानों में दर्शन देंगे।

सफाईकर्मियों को 10 माह से वेतन नहीं, जनसुनवाई में पहुंचे : कहा-

परिवार चलाने में दिक्कत हो रही, कलेक्टर ने भरोसा दिया, आंदोलन की चेतावनी

① डिटिविट्व ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। धार जिले की नगर परिषद मांडव और नगर पालिका धरमपुरी के सफाई कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिलने का मामला मंगलवार को जनसुनवाई में उठा।

वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर संतोष कल्याण के नेतृत्व में टीम ने जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर को आवेदन देकर रुके वेतन का जल्द भुगतान कराने की मांग की।

संगठन के मुताबिक, मांडव के कर्मचारियों को करीब 6 महीने और धरमपुरी के कर्मचारियों को करीब 10 महीने से वेतन नहीं मिला है।

संगठन ने आवेदन में बताया कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का खर्च चलाने, बच्चों



की पढ़ाई, दवाइयां, बिजली बिल और राशन जैसी जरूरी जरूरतों को पूरा करने में दिक्कत आ रही है। वाल्मीकि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कल्याण ने कहा कि सफाई कर्मचारी लगातार अपना काम कर रहे हैं, लेकिन महीनों तक वेतन नहीं मिलना गंभीर समस्या है। उन्होंने कलेक्टर से रुका हुआ वेतन जल्द दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने टीम को मामले की जल्द जांच कराने का आश्वासन

दिया। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने के बाद कर्मचारियों को वेतन दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। संतोष कल्याण ने कहा कि जांच और आश्वासन के बाद भी यदि कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला तो संगठन इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने प्रशासन से कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए जल्द भुगतान कराने की मांग की।

वन विभाग की मकान पर दबिश अवैध सागौन पकड़ी

① डिटिविट्व ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। सागर के देवरी में वन विभाग की टीम ने मंगलवार को एक मकान पर दबिश देकर अवैध रूप से रखी सागौन की लकड़ी पकड़ी है। मौके पर लकड़ी चीरने का काम चल रहा था। टीम ने कार्रवाई कर मौके से 9 नग सागौन और औजार जब्त किए हैं। वन परिक्षेत्र अधिकारी जीपी शाक्य ने बताया कि सुभाष वार्ड स्थित एक घर में अवैध रूप से सागौन की लकड़ी का चिरान किया जा रहा है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी। जांच के दौरान घर में सागौन की लकड़ी का चिरान कार्य संचालित पाया गया। रवाई के दौरान वन विभाग ने मौके से सागौन की लकड़ी, चिरान सामग्री और औजार जब्त किए। घर में मौजूद चक्रेश विश्वकर्मा को हिरासत में लेकर वन विभाग कार्यालय देवरी लाया गया।

जनसमस्याओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को उजागर करने वाले साहसी, कर्मठ साथियों की दैनिक अखबार और न्यूज़ चैनल में आवश्यकता है... जो लेखनी और भाषा का दक्ष हो।

इच्छुक व्यक्तित्व संपर्क करें -

Email:- dgrnewsnetwork@gmail.com



You Tube Detective Group Report

SUBSCRIBE

समाचार और विज्ञापन के लिए संपर्क करें

+91 9111156060

संपादकीय

अंतरिक्ष तक अभेद्य
सुरक्षा: S-400 के बाद
अब S-500 की तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर में S-400 की जबरदस्त सफलता के बाद भारत की रूस के S-500 मिसाइल डिफेंस सिस्टम और SU-57 स्टीथ फाइटर जेट पर निगाहें हैं। SCO समिट से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच भारत-रूस रक्षा सहयोग पर अहम बातचीत हो रही है। यह चर्चा ऐसे समय हो रही है, जब भारत अपनी एयर डिफेंस क्षमता मजबूत करने और लड़ाकू विमानों की कमी को दूर करने की कोशिश कर रहा है। भारत के पास पहले से ही रूस का S-400 एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसके प्रदर्शन को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स के बाद इस सिस्टम की क्षमता पर चर्चा और तेज हुई है। S-400 को थिएटर-लेवल एयर डिफेंस सिस्टम माना जाता है और इसकी अधिकतम इंटरसेप्शन रेंज करीब 400 किलोमीटर है। भारत ने 2018 में करीब 5.43 अरब डॉलर के समझौते के तहत पांच S-400 स्क्वाड्रन का ऑर्डर दिया था। इनमें से चार की डिलीवरी हो चुकी है, जबकि पांचवां और अंतिम स्क्वाड्रन नवंबर 2026 तक मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा भारत सरकार पांच और S-400 स्क्वाड्रन खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे चुकी है, जिसकी कीमत 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। S-400 और S-500 एक-दूसरे के विकल्प के बजाय लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम के तौर पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। S-400 जहां विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल और कुछ बैलिस्टिक मिसाइलों जैसे हवाई खतरों से निपटने के लिए है, वहीं S-500 को इससे भी ऊंचे स्तर की सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, S-500 की इंटरसेप्शन क्षमता करीब 600 किलोमीटर तक हो सकती है और यह लगभग 180-200 किलोमीटर की ऊंचाई तक लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम है। यानी इसकी पहुंच धरती के वायुमंडल से आगे के निकट-अंतरिक्ष क्षेत्र तक बताई जाती है। S-500 को खास तौर पर बैलिस्टिक मिसाइलों और हाइपरसोनिक हथियारों जैसे अत्याधुनिक खतरों से निपटने के लिए विकसित किया गया है। कुछ रिपोर्ट्स में इसकी संभावित एंटी-सैटेलाइट क्षमता का भी जिक्र किया गया है। अगर भारत S-500 को अपनी एयर डिफेंस प्रणाली में शामिल करता है तो दोनों प्रणालियां अलग-अलग स्तर पर काम कर सकती हैं। S-500 ऊंचाई और लंबी दूरी से आने वाले बैलिस्टिक और हाइपरसोनिक खतरों को रोकने की कोशिश करेगा, जबकि S-400 विमान, ड्रोन और क्रूज मिसाइल जैसे पारंपरिक हवाई खतरों से निपट सकता है। यानी S-500, भारत की मौजूदा S-400 क्षमता को दोहराने के बजाय एयर डिफेंस की एक अतिरिक्त और ऊंची परत जोड़ सकता है। रूस लंबे समय से भारत को S-500 की पेशकश करता रहा है।

अरब देशों पर खतरे की घंटी,
जलवायु परिवर्तन से खड़ा हो सकता
है भोजन-पानी का संकट, चेतावनी

जलवायु परिवर्तन अरब दुनिया में एक बड़े खतरे की घंटी बजा रहा है। पूरे अरब जगत में पानी की कमी, खराब होती फसलें और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों पर जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिख रहा है। इस इलाके में पहले से ही पानी की भारी कमी है। अब जलवायु परिवर्तन की वजह से भुखमरी और मानवीय संकट के प्रति और बहुत ज्यादा संवेदनशील होता जा रहा है। इस स्थिति को लेकर एक्सपर्ट ने चेताया है। खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) देशों के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के कोऑर्डिनेटर अहमद मुख्तार ने अरब न्यूज को बताया है कि प्रति व्यक्ति ताजे पानी की उपलब्धता के मामले में अरब दुनिया का सबसे ज्यादा पानी की कमी वाला इलाका है। यहां खेती के लायक जमीन 5 प्रतिशत से कम है और रेगिस्तान का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

घटते पानी का संकट

अरब इलाके में FAO स्थानीय सरकारों और समुदायों के साथ मिलकर पानी के टिकाऊ प्रबंधन के तरीके लागू करता है। साथ ही यह खेती की पैदावार बढ़ाने, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से खाने-पीने की चीजों की कमी के संकट से कमजोर आबादी को बचाने के लिए पॉलिसी फ्रेमवर्क बनाता है।

स्थानीय स्तर पर ताजे पानी का ज्यादातर इस्तेमाल खेती में ही होता है इसलिए पानी की कमी से किसान समुदाय बहुत तेजी से मुश्किल में पड़ जाते हैं। उन्हें खाने-पीने की चीजों के लिए अस्थिर ग्लोबल इंपोर्ट मार्केट पर निर्भर रहना पड़ता है, जो टिकाऊ नहीं है। अहमद मुख्तार ने कहा कि जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और बढ़ा रहा है।

आयात पर बढ़ती निर्भरता

अरब देश खाने-पीने की चीजों के आयात पर बहुत निर्भर है। FAO का अनुमान है कि 2031 तक इस इलाके में खाने-पीने की चीजों की कुल खपत का दो-तिहाई हिस्सा इंपोर्ट से आएगा। कुछ खाड़ी देश तो अपनी खाने-पीने की जरूरतों का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा इंपोर्ट से ही पूरा करते हैं।

अरब की समस्या यह है कि पानी की कमी के बावजूद देश खेती में आत्मनिर्भरता की ओर कैसे बढ़ें। मुख्तार ने कहा कि इस समस्या को आर्थिक नजरिए से देखने की जरूरत है। इसका कोई एक समाधान नहीं है। आत्मनिर्भरता का विचार आदर्श लगता है लेकिन असल में कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ता खतरा

संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के क्षेत्रीय निदेशक समर अब्देलजाबेर ने अरब न्यूज को बताया कि जलवायु से जुड़े झटके फसल की पैदावार कम कर रहे हैं, लोगों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रहे हैं और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ा रहे हैं। इससे कमजोर परिवारों के लिए पौष्टिक भोजन पाना मुश्किल हो रहा है। संघर्ष वाले इलाकों में ये असर ज्यादा है।

अब्देलजाबेर ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन एक ऐसे खतरे के तौर पर काम करता है, जो दूसरे खतरों को बढ़ा देता है। इससे खाद्य प्रणालियों और जरूरी सेवाओं पर दबाव पड़ता है। जलवायु परिवर्तन से फसलों की

पैदावार कम होगी तो फल, सब्जियां और पशुपालन को जोखिम का सामना करना पड़ेगा क्योंकि वे पानी के सीमित स्रोतों और स्थिर जलवायु परिस्थिति पर निर्भर हैं।'

क्यों और कैसे बढ़ेगा संकट

यूनिसेफ के पानी और स्वच्छता और साफ-सफाई (WASH) मामलों के वरिष्ठ सलाहकार उमर अल-हत्ताब का कहना है कि जरूरी सामान पहले से सही जगहों पर पहुंचाना, समय रहते चेतावनी देने की व्यवस्था बनाना, स्थानीय स्तर पर प्रतिक्रिया देने की क्षमता मजबूत करने की जरूरत है। सूखे से खेती का उत्पादन कम हो सकता है, मवेशी मर सकते हैं और आजीविका पर बुरा असर पड़ सकता है।

सभी एजेंसियां इस बात से सहमत हैं कि जलवायु परिवर्तन से खेती, भोजन की उपलब्धता और पानी की कमी पर जो असर पड़ता है, उसे ठीक किया जा सकता है। समुदाय खराब हो चुकी जमीन को फिर से ठीक कर सकते हैं, पानी के प्रबंधन को बेहतर बना सकते हैं, पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल कर सकते हैं और जलवायु के अनुकूल खेती के तरीके अपना सकते हैं।

तैयारी करने की जरूरत

अल-हत्ताब ने कहा कि आज तकनीक और व्यावहारिक समाधान मौजूद हैं। हमारी जिम्मेदारी एक ऐसा सिस्टम बनाने में मदद करना है, जो उस बच्चे को कभी निराश ना करे क्योंकि मानवीय कार्यों के भविष्य का आकलन सिर्फ इस आधार पर नहीं किया जाएगा कि हम संकटों का कितनी प्रभावी ढंग से सामना करते हैं। इसका आधार यह होगा हम कितने संकटों को बड़ी आपदा बनने से रोक पाते हैं।

जलवायु परिवर्तन सरकारों के इरादों और मौजूदा आर्थिक संसाधनों पर तेजी से असर डाल रहा है। इस इलाके में कई बड़े देश तकनीकी रूप से औद्योगिकरण के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में कार्बन फुटप्रिंट शायद बढ़ेंगे।

अहमद मुख्तार

जलवायु से जुड़े झटके खाने-पीने की चीजें बढ़े पैमाने पर पैदा करने वाले देशों को प्रभावित करते हैं। ये सलाह कम कर सकते हैं, कीमते बढ़ा सकते हैं और व्यापार में रुकावट डाल सकते हैं।

एक्सपर्ट

New Delhi

New Delhi

उत्तराखंड में बारिश का कहर... 7 की मौत और 172 सड़कें बंद, UP-झारखंड में भी बिगड़े हालात

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। नदियां उफान पर हैं, निचले इलाकों में जलभराव के कारण लाखों लोगों को ऊँचाई वाले इलाकों में जाने पर मजबूर होना पड़ा है। वहीं पहाड़ी राज्यों में जगह-जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़कें बंद हैं और कई इलाकों में फ्लैश फ्लड का खतरा बना गया है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा, बागेश्वर, टिहरी, नैनीताल, ऊधम सिंह नगर और पौड़ी में बारिश से जुड़ी घटनाओं ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।



की खबर है। प्रशासन और स्टेट डिजास्टर रिसांस फोर्स (SDRF) की टीमों राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं।

बारिश और भूस्खलन के कारण राज्य में 172 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इनमें पिथौरागढ़, नैनीताल और बागेश्वर में एक-एक हाईवे भी शामिल है। कई जगह सड़कें खोलने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनों से मलबा हटाने का काम जारी है। लगातार बारिश के बाद हल्द्वानी से गौला नदी में करीब 27 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। ऊधम सिंह नगर के किच्छा, पुलभट्टा, शांतिपुरी और सूर्यनगर में प्रशासन लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को नदी से दूर रहने की सलाह दे रहा है। कई इलाकों में जलभराव की वजह से डिग्री कॉलेज और साप्ताहिक बाजार भी प्रभावित हुए हैं।

इंडी की बड़ी कार्रवाई

14 ठिकानों पर हुई छापेमारी, एनएचआई में करोड़ों की फर्जी टोल वसूली का मामला



नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में 14 ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी एनएचआई टोल प्लाजा पर फर्जी वसूली से जुड़े मामले में की गई है। इंडी ने धन शोधन विरोधी कानून (पीएमएलए एक्ट, 2002) के तहत यह कार्रवाई की है। इंडी ने आज उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, एनसीआर और कोलकाता में अलग-अलग ठिकानों पर छापे मारा।

दरअसल आरोपियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समानांतर एक फर्जी सॉफ्टवेयर बनाकर करोड़ों रुपये की अवैध वसूली की। यूपी एसटीएफ ने इस धांधली का भंडाफोड़ किया था। जांच में पता चला कि आरोपियों ने टोल वसूली का सिफ पांच प्रतिशत सरकारी रिकॉर्ड में दिखाया और बाकी 95 प्रतिशत का घोटाला हो रहा था। इंडी ने इस मामले में दर्ज दो पुलिस एफआईआर पर संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू की।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि फर्जी सॉफ्टवेयर से टोल रसीदें बनाकर फर्जीवाड़ा किया गया। टोल से हुई कमाई को आधिकारिक अकाउंटिंग सिस्टम से बाहर डायवर्ट कर दिया गया। इंडी की जांच में फॉरेंसिक और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रिकॉर्ड से फर्जी सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि हो चुकी है।

Bengaluru

शादी के 24 साल बाद हुआ था बच्चा, महिला ने 3 महीने बाद ही मार डाला

बेंगलुरु, (एजेंसी) आईटी हब बेंगलुरु से मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां दक्षिणी बेंगलुरु के वज्रहल्ली इलाके में एक 40 वर्षीय महिला ने अपनी 3 महीने की जुड़वां बच्चियों की कथित तौर पर पानी में डुबोकर हत्या कर दी। इसके बाद महिला ने खुद भी उसी कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी करने की कोशिश की। हालांकि महिला की जान बच गई है। हरान करने वाली बात यह है कि महिला को शादी के करीब 24 साल बाद बच्चा हुआ था। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक 50 वर्षीय रियल एस्टेट व्यवसायी रामलिंगप्पा और उमादेवी की शादी 2002 में हुई थी। शादी के 24 साल बाद, 5 मई को IVF तकनीक के जरिए उनके घर दो जुड़वां बेटियों का जन्म हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला के पति रामलिंगप्पा ने बताया है कि प्रसव के करीब डेढ़ महीने बाद से ही उमादेवी बच्चियों में दिलचस्पी नहीं दिखा रही थी। वह बार-बार कहती थी कि उन्हें किसी आश्रम में भेज दिया जाए। इसके बाद परिवारवालों ने डॉक्टर से संपर्क भी किया था। परिवार का कहना है कि डॉक्टरों ने उनकी हालत को पोस्टपार्टम डिप्रेशन और प्रसव के बाद होने वाले हार्मोनल बदलाव से जुड़ा बताया था।

Uttarpradesh

एनएच- 27 पर भीषण हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली में डीसीएम ने मारी टक्कर, मची चीख-पुकार, 28 लोग थे सवार

अयोध्या, (एजेंसी) अयोध्या में रूढ़ौली कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब छह बजे NH-27 पर मखवापुर के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। अयोध्या दर्शन के लिए लखीमपुर खीरी से जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से आ रही डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क पर पलट गई। उसमें सवार 28 महिला, पुरुष और बच्चों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक समेत कई लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार लखीमपुर खीरी निवासी अनुराग वर्मा के परजिन नया ट्रैक्टर लेने के बाद रिस्तेदारों के साथ अयोध्या दर्शन के लिए निकले थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली में कुल 28 लोग सवार थे। बुधवार सुबह करीब छह बजे मखवापुर के पास पहुंचते ही पीछे से आ रही डीसीएम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद



ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई।

हादसे में ट्रैक्टर चालक विकास वर्मा (27), छोटे कश्यप (38), धनंजय वर्मा, आदित्य वर्मा (16), आदर्श, शुभम वर्मा, रेखा और दिनेश समेत कई लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने राहत एवं बचाव में मदद की। सूचना मिलते ही PRV-112 मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रूढ़ौली पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।



खेल



सिनेमा



हार्दिक पंड्या को क्यों नहीं मिली अफगानिस्तान सीरीज में जगह

● टी20 विश्व कप के बाद नहीं खेला है इंटरनेशनल मैच



नई दिल्ली, (एजेंसी) बीसीसीआई ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कप्तान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं। वहीं स्टार ऑलराउंडर और पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। 13 सितंबर से अरुण जेटली स्टेडियम पर भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी।

हार्दिक को क्यों टीम में

जगह नहीं मिली?— हार्दिक पंड्या ने आईपीएल के बाद कोई मैच नहीं खेला है। अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला उन्होंने टी20 विश्व कप फाइनल में खेला था। जांच की मांसपेशी में लो-ग्रेड स्प्रेन की वजह से वह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे। हार्दिक पूरी तरह फिट थे और अफगानिस्तान के खिलाफ टीम में शामिल करने की तैयारी थी लेकिन आखिरी वक्त में उन्होंने

पैर में दिक्कत हो गई। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट में सूत्र ने बताया, 'हार्दिक पंड्या बिना किसी परेशानी के पूरी ताकत से ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन पैर में तकलीफ की वजह से उन्हें बॉलिंग रोकने की सलाह दी गई है। वह जल्द ही फिर से बॉलिंग शुरू करेंगे, लेकिन अफगानिस्तान सीरीज के लिए जरूरी फिटनेस लेवल तक पहुंचना मुश्किल है। बैटिंग और

मूवमेंट के मामले में कोई बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन मजबूरी देने से पहले सीआई को पूरी तरह से संतुष्ट होना होगा।'

चार खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट पास करना होगा

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में चार ऐसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो सीआई में रिहैब कर रहे थे। इसमें जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा के साथ ही नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर शामिल हैं। घोषित टीम में जानकारी दी गई है कि इन खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट पास करना पड़ेगा। बुमराह, सुंदर और हर्षित को इंग्लैंड दौर पर इंजरी हुई थी। वहीं नीतीश कुमार रेड्डी आयरलैंड सीरीज शुरू होने से पहले ही हैमस्ट्रिंग की दिक्कत की वजह से टीम से बाहर चल रहे हैं।

'मैंने सती या पद्मावती को कायर नहीं कहा', जौहर बयान पर मचा बवाल! फूटा स्वरा भास्कर का गुस्सा, बोलीं- दो गाली



बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर एक बार फिर अपने पुराने 'पद्मावती' और जौहर वाले बयान को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उनके एक वीडियो क्लिप को लेकर दावा किया जा रहा था कि उन्होंने रानी पद्मावती और जौहर करने वाली दूसरी महिलाओं को 'कायर' कहा था। अब स्वरा ने एक वीडियो शेयर कर इस पूरे विवाद पर सफाई दी है। स्वरा ने कहा कि उनकी बात का गलत तरीके से अनुवाद किया जा रहा है और उनके बयान को तोड़-मरोड़कर एक झूठी कहानी के तौर पर फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा- मैंने कुछ कहा था, जो अब सरासर गलत तरीके से अनुवादित हो रहा है और जिसे एक झूठ बनाकर फैलाया जा रहा है। एक्ट्रेस ने साफ किया कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि रानी पद्मावती कायर थीं या महल की दूसरी रानियां और महिलाएं, जिन्होंने जौहर किया था, वे कायर थीं। स्वरा बोलीं- मैं साफ तौर पर यह कहना चाहती हूँ कि मैंने कतई ऐसा नहीं कहा कि रानी पद्मावती कायर थीं या वो बाकी महल की रानियां और औरतें, जिन्होंने जौहर किया था, वो कायर थीं। स्वरा ने अपने वीडियो में अपनी कही हुई बातों को एक-एक करके हिंदी में समझाया, ताकि लोगों को पता चल सके कि उन्होंने असल में क्या कहा था।

Highlights

1. **BJP performs 'buddhi shuddhi' ritual for Rahul Gandhi amid 'shuddhikaran' row**
2. **7-yr-old girl, who limps to school after accident, pleads for tricycle in UP, DM reacts**
3. **Telangana BJP Chief detained after clash between BJP & Congress workers**

Apple's AI groundwork, OpenAI chip flex, and the joys of aeroplane contrails

NEW DEHI, (Agency).

Remember when as kids, looking up at the sky and seeing those long white streaks being made by an aircraft told us two things. First, it was really high up in the sky and secondly, it was a 'transcontinental flight'. We were young, we lived in simpler times, these little joys meant a lot, with a hope for the future. Watching these contrails form and then slowly dissipate as the aircraft disappeared from sight on the blue canvas. Apparently, these contrails are a bad thing, and AI wants to solve them.

Google and the UK government are collaborating on what is likely to be a 30-month project in the Shanwick airspace above the northeastern Atlantic Ocean, to



test ways in which aeroplanes don't create these contrails anymore. Contrails are created when water vapour condenses and freezes around aircraft exhaust, particularly if the air is cold and humid. Research believes they can trap heat radiating from the Earth, thus warming the atmosphere, which also serves to aviation's overall impact on the environment. Google will provide AI forecasting models to identify

flight paths and regions that reduce contrail creation, and measure results.

On Apple's 50 year milestone, I had (among many other things) noted that the company had almost 2.5 billion (and counting) devices across the iPhone, iPad, Mac and other product lines which are essentially 'AI ready'. No other tech company has that sort of compatibility width and longevity.



HOLD YOUR PARTNER'S HAND WITH CONFIDENCE

know them inside out with
the help of Detective

लोकायुक्त से मिली थी शिकायत

शोरूम के अवैध दो फ्लोर पर निगम की कार्रवाई

@ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नगर निगम की टीम ने सुभाष मार्ग पर बने न्यू जिंस होम शोरूम के दो फ्लोर मंगलवार को तोड़ दिए। ऊपरी मंजिल पर बने ये दोनों फ्लोर अवैध थे। नगर निगम को इसकी शिकायत लोकायुक्त से भी मिली थी। इस पर निगम द्वारा नोटिस देने के बाद भी इन्हें नहीं हटाया जा रहा था। नोटिस के बाद भी नहीं हटाने पर नगर निगम का अमला शो रूम पहुंचा और मैनुअल तरीके से दोनों फ्लोर को तोड़ने की कार्रवाई की।

ये मामला जेन नंबर 3 का है। यहां सुभाष मार्ग पर बने शोरूम पर ये कार्रवाई की गई। बिल्डिंग ऑफिसर फल्लवी पाल के मुताबिक न्यू जिंस होम में परमिशन के विपरीत दो फ्लोर एक्स्ट्रा बनाए हुए थे। लोकायुक्त से इसकी शिकायत मिली थी। इस



मामले में संबंधित व्यक्ति को कई बार नोटिस भी भेजे गए थे कि वे इसे हटा लें। मगर उन्होंने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। नगर निगम का अमला और एमजी रोड थाने का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। ऊपरी मंजिल पर दो फ्लोर पर नगर निगम की टीम ने मैनुअल तरीके से इन्हें तोड़ने की कार्रवाई की। मशीनों की मदद से दोनों फ्लोर को

तोड़ा गया। बिल्डिंग ऑफिसर पाल के मुताबिक 80 बाय 150 का एरिया था जिस पर ये कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि 2022 में इन फ्लोर को बनाया गया था। पिछले डेढ़ साल पहले इसकी शिकायत मिली थी, जिसके बाद से नोटिस संबंधित को दिए जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान कोई विवाद की स्थिति नहीं बनी।

शादी का झांसा देकर होटल में युवती से रेप

@ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। छोटी ग्वालटोली इलाके की एक होटल में 23 वर्षीय युवती से रेप का मामला सामने आया है। महू निवासी युवती की शिकायत पर पुलिस ने बदनाम निवासी अमित पीमाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। बाद में शादी से इनकार कर उसे सोशल मीडिया और मोबाइल पर ब्लॉक कर दिया। पुलिस के मुताबिक युवती की करीब डेढ़ साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए अमित से पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान अमित ने उसे पसंद करने और शादी करने की बात कही। इसके बाद युवती उससे मिलने इंदौर आई। पौड़िता ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2025 में अमित उसे छोटी ग्वालटोली क्षेत्र की न्यू क्राउन पैलेस होटल में लेकर गया। यहां उसने शादी का भरोसा दिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

रिटायर्ड लोको पायलट के घर चोरी

केयरटेकर महिला ने पत्नी के जेवर और मकान के दस्तावेज चुराए

@ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। द्वारकापुरी में रेलवे से रिटायर्ड लोको पायलट के यहां चोरी की वारदात हो गई। उन्होंने अपनी बीमार पत्नी की देखभाल के लिए एक महिला को केयरटेकर के रूप में रखा था। महिला ने उनकी पत्नी के जेवर और मकान के दस्तावेज चुरा लिए। मामले का खुलासा तब हुआ, जब उनके मकान के दस्तावेज लोको पायलट को किसी ने बेचने के लिए मोबाइल पर भेजे। द्वारकापुरी पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला के खिलाफ मंगलवार को एफआईआर दर्ज की है।

द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक, साईं श्रद्धा कॉलोनी निवासी कैलाश चंद्र मारू रेलवे से रिटायर्ड लोको पायलट हैं। उनकी पत्नी गीता मारू का स्वास्थ्य खराब होने के चलते उनकी देखरेख के लिए दीपिका बेस नाम की महिला को 1 मई को रखा था। 5 मई को उनकी पत्नी की

तबीयत ज्यादा खराब हो गई। उन्हें उपचार के लिए विशेष जूफ़िटर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में गीता के सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेन, कान के टॉप्स, सोने की दो चूड़ियां, चांदी की पायल, मोबाइल और कुछ नकदी दीपिका को संभालने के लिए दिए गए थे। इसी बीच 31 मई को गीता की मौत हो गई। इसके बाद दीपिका वहां से चली गई। कैलाश चंद्र भी अपने घर के काम में लग गए। बाद में उन्हें ध्यान आया तो उन्होंने घर में पत्नी के जेवर, नकदी और अन्य सामान की तलाश की, लेकिन वे नहीं मिले। वहीं, घर से मकान के दस्तावेज भी गायब थे। इसी बीच 5 अगस्त को एक मोबाइल नंबर से वाट्सएप पर मकान के दस्तावेज भेजे गए। इसमें बताया गया कि दीपिका ने इन्हें बेचने के लिए दिए हैं। इसके बाद कैलाश चंद्र ने दीपिका से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह सामने नहीं आई।

महिला से मकान बेचने के नाम पर 20 लाख ठगे

@ डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट इंदौर। एरोड्रम क्षेत्र में 60 वर्षीय महिला से मकान बेचने के नाम पर 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। महिला ने जनसुनवाई में शिकायत की थी। जांच के बाद एरोड्रम पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक अखंड नगर निवासी मंजू वर्मा ने शिकायत में बताया

कि कृष्णबाग कॉलोनी में तल मंजिल का 15 बाय 45 फीट का मकान बेचने का सौदा किया गया था। संदीप उर्फ गोलू राठौर, पंकज यादव और अन्य के साथ मिलकर राजू नरवरिया ने खुद को मकान मालिक बताया। दिसंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच महिला से 20 लाख रुपये लिए गए। ऐसे संदीप उर्फ गोलू, पंकज और अन्य साथियों के खातों में ट्रांसफर कराए

गए। पैसे लेने के बाद आरोपी कई महीने तक रजिस्ट्री के लिए टालमटोल करते रहे। महिला को बाद में पता चला कि जिस मकान का सौदा किया गया था, वह राजू नरवरिया के नाम पर नहीं है। मकान रमण कोठना के नाम पर है, जिसने इसे वर्ष 2012 में ताराबाई से खरीदा था। सच्चाई सामने आने पर मंजू ने राजू और अन्य आरोपियों से पैसे वापस मांगे।

क्या किसी के बारे में कुछ जानना चाहते है

कब ..क्यों...कहाँ ... कितना...कैसे...

पूर्ण गोपनीयता..पूर्ण विश्वसनीयता



**CONFIDENTIAL INVESTIGATION
& ALL TYPE OF DETECTIVE SERVICE...**

Ready For Help, Anytime- Anywhere



DETECTIVE GROUP

Detecting the truth.

www.detectivegroup.in | 91110 50101